Literacy for a Billion

Movie: Mehboob Ki Mehandi
Year: 1971

Song: Ye Jo Chilman Hai
Lyricist: Anand Bakshi

ये जो चिलमन है
दुश्मन है हमारी
ओ ... ओ ...

ये जो चिलमन है
दुश्मन है हमारी
कितनी शर्मीली
ओ ... ओ ...
कितनी शर्मीली दुल्हन है हमारी

ये जो चिलमन है

दूसरा और कोई यहाँ क्यूँ रहे
हुस्न और इश्क के दर मियाँ क्यूँ रहे
ये यहाँ क्यूँ रहे
हाँ जी हाँ क्यूँ रहे
ये जो आंचल है शिकवा है हमारा
क्यूँ छुपाता है चेहरा मे तुम्हारा
हाय ये जो चिलमन है

ओ ... ओ ... ओ ...
आ ... आ ... आ ...

कैसे दीदार आशिक तुम्हारा करे
रूखे रोशन का कैसे नजारा करे
ओ नजारा करे
ओ इशारा करे
हाँ पुकारा करे

ये जो गेसूँ हैं बादल हैं कसम से
कैसे बिखरे हैं गालों पे सनम के
ओ ... ओ ...

ये जो चिलमन है

रूख से परदा जरा जो सरकने लगा
रूख से परदा जरा जो सरकने लगा

उफ ये कंबख्त दिल क्यों धडकने लगा
हाँ धड़कने लगा हाँ भड़कने लगा
दम अटकने लगा
ये जो धड़कन है दुश्मन हैं हमारी
कैसे दिल सभले उलझन है हमारी
ओ ... ओ ...

ये जो चिलमन है
दुश्मन है हमारी

Disclaimer: PlanetRead does not own these lyrics and is not using them for any commercial purpose. For over 20 years, PlanetRead has been subtitling Bollywood songs for mass literacy. These lyrics are being offered as part of PlanetRead's literacy development initiative.

PlanetRead is a tax-exempt, not-for-profit: 501(c) (3) in the United States and 80(G) in India.